RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-04
April -2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

भारत द्वारा मसाले के निर्यात का एक आलोचनात्मक विश्लेषण (वर्ष 2000 के पश्चात)

[1]डॉ0 ऋषि विवेकधर; [2]दुर्गेश कुमार

[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, ए0एन0एम0 पी0जी0 कॉलेज, बलिया
[2]शोध छात्र अर्थशास्त्र विभाग, नेहरू ग्राम भारती डीम्ड विश्वविद्यालय कोटवा जमुनीपुर प्रयागराज

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 15 April 2019

Keywords
कृषिगत, हल्दी, अदरक, धनिया, जीरा

ABSTRACT

भारत के कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों में मसाले की भूमिका प्राचीन समय से ही महत्वपूर्ण रही है। भारत द्वारा मुख्य रूप से काली मिर्च, लाल मिर्च, हल्दी, अदरक, धनिया, जीरा, सौंफ, मेथी और दालचीनी इत्यादि का विश्व के अन्य देशों को निर्यात किया जाता रहा है। मसालें के निर्यात में सर्वाधिक योगदान केरल राज्य द्वारा किया जाता रहा है। मसालें के निर्यात में सर्वाधिक योगदान केरल राज्य द्वारा किया जाता रहा है। प्राचीन समय में भारतीय मसालें का व्यापार रोम व चीन के साथ होता था और वर्तमान समय में भी इनका वैश्विक स्तर पर व्यापार किया जाता है। भारत का घरेलू मसाला बाजार विश्व का सबसे बड़ा बाजार है और भारत द्वारा कुल 109 में से 75 प्रकार के मसालें का निर्यात किया जाता है जो आई0एस0ओ0 (ISO) में दर्ज हैं।

प्रस्तावना–

आर्थिक विकास करना विश्व के किसी भी देश का महत्वपूर्ण उद्देश्य होता है और बहुत से देशों ने निर्यात आधारित कृषि को विकास का आधार बनाया है। भारत में कृषिगत उत्पादों का निर्यात अर्थव्यवस्था के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के निर्यातों में कृषिगत उत्पादों के निर्यातों की भूमिका प्रारम्भ से ही महत्वपूर्ण रही हैं। कृषिगत उत्पादों के निर्यात प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उत्पन्न करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं साथ ही साथ इनके द्वारा ग्रामीण सीमान्त किसानों तथा ग्रामीण जनसंख्या के आय के स्तर में भी सुधार हुआ है। ग्रामीण विकास और कृषिगत उत्पादों के निर्यात न एक दूसरे से सम्बन्धित है वरन् एक दूसरे को प्रभावित भी करते हैं।

यू0एस0ए0 भारत का सबसे प्रमुख मसाला आयातक देश है। इसके अतिरिक्त चीन, वियतनाम, यू0ए0ई0, मलेशिया, सऊदी अरब, यू0के0, जर्मनी , सिंगापुर, श्रीलंका इत्यादि भारतीय मसालें के प्रमुख आयातक देश हैं। मसालें के निर्यातों को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार द्वारा भारतीय मसाला बोर्ड का गठन किया गया है। जो न केवल मसालें की गुणवत्ता पर नजर रखता है तथा प्रमाणपत्र जारी करता है, वरन यह नीतिगत मुद्दों पर केन्द्र सरकार को जानकारी भी उपलब्ध कराता है।

साहित्य की समीक्षा–

साहित्य की समीक्षा शोध विषय के विषय पर पूर्व अध्ययनों की एक प्रभावी जांच है। यह अनुसंधान समस्या के संदर्भ में एक सैद्धान्तिक पृष्ठ भूमि, वैकल्पिक विश्लेषणात्मक उपकरण, पिछले निष्कर्ष और महत्वपूर्ण मूल्यांकन प्रदान करता है।

कृषिगत उत्पादों के निर्यातों की संरचना में परिवर्तन और कृषि में लाभप्रविता के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार के शोध कार्य किये जा चुके हैं।

प्रस्तुत शोध पत्र में कृषिगत उत्पादों के निर्यातों से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण निष्कर्षों को शामिल किया गया है–

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय[1] की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2010–18 के दौरान भारत के कृषिगत निर्यातों में 16.45 प्रतिशत (CAGR) पायी गयी और भारत के कृषिगत निर्यात वर्ष 2018 में 38.21 बिलियन डालर हो गए। भारत मसालों का सबसे बड़ा उत्पाक, उपभोक्ता तथा निर्यातक देश है। वर्ष 2017–18 में मसालों का कुल निर्यात 3.1 विलियन डालर था। वर्ष 2017 में चाय का निर्यात 240 बिलियन किलो तथा कॉफी का निर्यात 03 लाख 95 हजार टन रहा। वर्ष 2017–18 में भारत विश्व का दूसरा प्रमुख फल निर्यातक देश रहा है। सरकार किसानों की आय को वर्ष 2022 तक दुगुना करने के लक्ष्य का निर्धारण कर रही है और इसके लिए कृषि क्षेत्र के विकास एवं कृषिगत वस्तुओं के निर्यात की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

डॉ0 एम0जी0 भट्ट एवं अन्य 2005[2] ने अपने अध्ययन में पाया कि वर्ष 1980–85 के बीच यद्यपि निर्यात से प्राप्त आय में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी। इसके संबंध में उनका निष्कर्ष था कि व्यापार से संभावित लाभ को प्राप्त करने के लिए विकासशील देशों को परस्पर एक दूसरे को निर्यात करना चाहिए अथवा विकसित देशों के साथ संगठन का

[1] भारत सरकार बजट 2018–19, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
[2] Dr. M.G. Bhat et. al (2005) ' Progress of Research pp. 119 the Hindu Survey of Indian Agriculture-2

RRIJM 2015, All Rights Reserved

निर्माण करना चाहिए जिससे इन देशों के हितो का विस्तार हो सके।

कल्पना द्विवेदी (2014)[3] ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका का विश्लेषण करते हुए कहा है कि कृषि न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है बल्कि जीवन की भी आधारशिला है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में भी भारतीय कृषि की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। आज भारत कृषि से बनी वस्तुओं मसाले, बीज, चाय, तम्बाकू, मेवे आदि निर्यात करता है, जिसका आधार कृषि ही है। चूंकि हमारा निर्यात अच्छे–स्तर का व गुणवत्तापूर्ण है, अतएव इससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जहाँ हमारी छवि अच्छी बनी है, वहीं ख्याति भी बढ़ी है। कृषि उत्पादों के निर्यात में अच्छा राजस्व भी प्राप्त होता है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ हो रही है।

भारत द्वारा मसाले के निर्यात की संरचना : US Million $ के रूप में

वर्ष 1999–2000 में मसालें का कुल निर्यात 407.8 US Million $ था जो वर्ष 2001–2002 में अब तक का सबसे कम 313.9 US Million $ पाया गया पुनः 2009–10 में बढ़कर 1298.5 US Million $ हो गया। वर्ष 2017–18 में यह बढ़कर 31316.4 US Million $ हो गया और वर्ष 2018–19 में 3322 US Million $ पाया गया। इस प्रकार वर्ष 1999 – 2000 भी तुलना में 2018–19 में मसालें के निर्यात में 8 गुने से अधिक की वृद्धि पायी गयी और यह भारत के कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

भारत द्वारा मसाले के निर्यात की संरचना का दशकीय परिवर्तनः US Million $ के रूप में
सारणी संख्या –1

YEAR	Export of Spices (US Mill.$)
1999-2009	580.08
2009-2019	2539.78

Source: सारणी संख्या 1 के आधार पर आंकलित

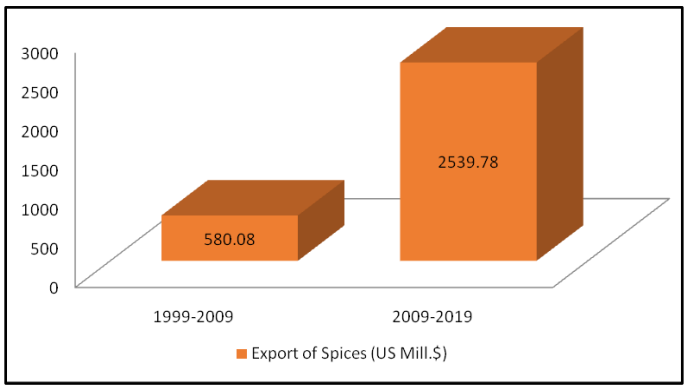

Source: सारणी संख्या 1 के आधार पर निर्मित

[3] द्विवेदी, कल्पना. 2014. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि आधारित उद्योगों की भूमिका कुरुक्षेत्र, वर्ष–60, अंक–05, मई. पृ0 8–10

सारणी संख्या 1 में दशकीय आधार पर मसालें के निर्यात का विश्लेषण किया गया है जहाँ अध्ययन के प्रथम दशक (1999–2009) के बीच मसालें का औसत निर्यात 580.08 US Million $ था। वहीं अध्ययन के दूसरे दशक (2009–19) में यह 2539.78 US Million $ था। यदि दोनों दशकों के दौरान मसालें के निर्यात में वृद्धि का विश्लेषण करें तो यह 4.37 गुना अधिक रहा।

भारत के कुल कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों में मसाले के निर्यात की संरचना : प्रतिशत रूप में
सारणी संख्या–2

YEAR	Percentage of spices in Total Ag. Export
1999-00	7.27
2000-01	5.92
2001-02	5.31
2002-03	5.09
2003-04	4.46
2004-05	4.94
2005-06	4.67
2006-07	5.5
2007-08	5.81
2008-09	8.86
2009-10	7.31
2010-11	7.29
2011-12	7.35
2012-13	6.89
2013-14	5.82
2014-15	6.27
2015-16	7.82
2016-17	8.55
2017-18	8.1
2018-19	8.57

स्रोत : CMI Out look .com से एकत्रित विभिन्न वर्षों के आंकड़े

यदि मसालें के निर्यात को कुल कृषिगत वस्तुओं निर्यात के प्रतिशत के रूप में विश्लेषित करें तो वर्ष 1999–2000 में कुल कृषिगत निर्यातों का 7.27 प्रतिशत था जो वर्ष 2007–08 में घटकर 5.81 प्रतिशत हो गया और वर्ष 2008–09 में बढ़कर 8. 86 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2013–14 में कुल कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों में मसालें का प्रतिशत 5.82 प्रतिशत पाया गया। तथा वर्ष 2016–2017 में बढ़कर 8.55 प्रतिशत तथा वर्ष 2017–2018 कम होकर 8.1 प्रतिशत तथा वर्ष 2018–2019 में पुनः बढ़कर 8.57 प्रतिशत पाया गया। उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि विगत दो दशकों के दौरान कुल कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों में मसालें के निर्यात प्रतिशत में उतार–चढ़ाव की

RRIJM 2015, All Rights Reserved

प्रवृत्ति पायी गयी और यह 4 प्रतिशत से 9 प्रतिशत के बीच पाया गया।

$$ES = 5.0 + 0.15\ TAE$$

$r=0.64$

$R^2=0.40$

जहाँ ES =मसाले का निर्यात

TAE = कुल कृषिगत निर्यात

r= सहसम्बन्ध गुणांक

R^2 = Coefficient of Determination

भारत द्वारा मसाले के निर्यात की संरचना का दशकीय परिवर्तन प्रतिशत रूप में

सारणी संख्या–3

YEAR	Share of spices as percent of total Ag.Export
1999-2009	5.73
2009-2019	7.39

स्रोत : सारणी संख्या 2 के आधार पर आंकलित

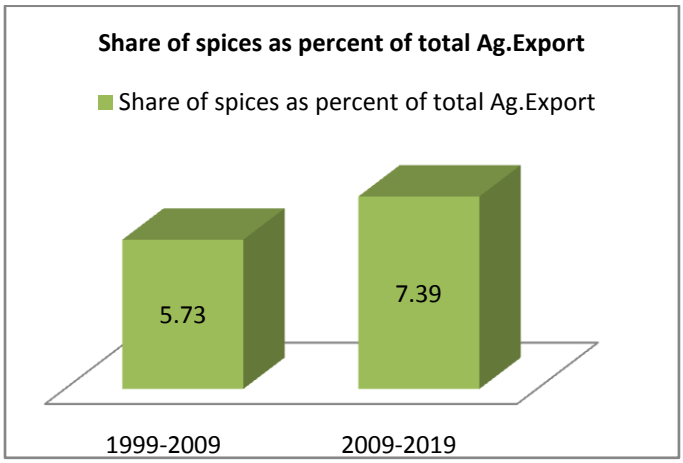

Source: सारणी संख्या 3 के आधार पर निर्मित

सारणी संख्या 3 में यदि मसालें के निर्यात का कुल कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों के प्रतिशत के आधार पर दशकीय विश्लेषण करें तो अध्ययन की प्रथम अवधि (1999–2009) में यह कुल कृषिगत निर्यातों का 5.73 प्रतिशत था जो अगले दशक (2009–19) के बीच 7.39 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार प्रथम दशक की तुलना में दूसरे दशक में प्रतिशत के रूप में 1.28 प्रतिशत की वृद्धि पायी गयी।

भारत द्वारा मसाले के निर्यात की दिशा में परिवर्तन का विश्लेषण

मसाले भारत के कृषिगत वस्तुओं के निर्यातों का प्राचीन काल से एक महत्वपूर्ण भाग रहे हैं। भारत के द्वारा विश्व के विभिन्न देशों को कई प्रकार के मसालों का निर्यात प्राचीन काल से होता रहा है।

वर्ष 1999–2000 में एशिया को कुल 128.9 US Million $ मसाले का निर्यात किया गया। जो 2009–10 में बढ़कर 709 US Million$ हो गया। वर्ष 2017–18 में एशिया को कुल 1848.6 US Million $ का निर्यात किया गया जो वर्ष 2018–19 में 2048.70 US Million $ पाया गया।

भारत द्वारा यूरोप को वर्ष 1999–2000 में 103.6 US Million $ मसाले का निर्यात किया गया जो वर्ष 2009–10 में बढ़कर 240.9 US Million $ हो गया वर्ष 2017–18 में यह बढ़कर 464.5 US Million $ पाया गया जबकि वर्ष 2018–19 में यह मात्र 415.305 US Million $ रहा।

भारत द्वारा मसालों के निर्यात का एक महत्वपूर्ण महाद्वीप अमेरिका रहा है न ही वर्ष 1999–2000 में कुल 156.5 US Million $ का निर्यात किया गया जो वर्ष 2009–10 में बढ़कर 264.5 US Million $ हो गया वर्ष 2017–18 में अमेरिकाओं 622.9 US Million $ का निर्यात हुआ जो वर्ष 2018–19 में 653.7 US Million $ पाया गया।

भारत द्वारा अफ्रीका के देशों को वर्ष 1999–2000 में 13.9 US Million $ मसाले का निर्यात किया गया जो वर्ष 2009–10 में बढ़कर 59.9 US Million $ हो गया वर्ष 2017–18 में यह बढ़कर 130.1 US Million $ और वर्ष 2018–19 में 152.7 US Million $ पाया गया।

मसाले के निर्यात में औसत दशकीय वृद्धि : US Million $ के रूप में

सारणी 4

Year	Africa	America	Europe	Asia
1999-2009	24.85	157.08	122.6	266.34
2009-2019	118.47	531.12	412.13	1441.36

स्रोत : CMI Out look .com से एकत्रित विभिन्न वर्षों के औसत आंकड़े

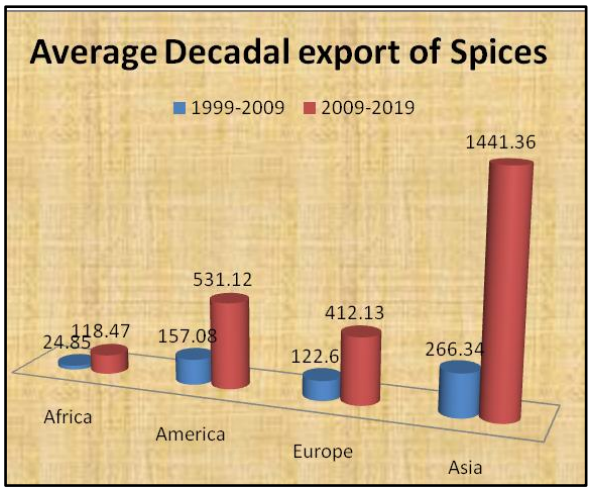

स्रोत : सारणी संख्या 4 के आधार पर निर्मित

यदि दशकीय आधार पर मसाले के औसत निर्यात का विश्लेषण करें तो अध्ययन के प्रथम दशक (वर्ष 1999–2009) में एशियाई देशों को औसत 266.34 US Million $ का निर्यात हुआ जो अध्ययन के अगले दशक (वर्ष 2009–19) में बढ़कर 1441.36 US Million $ हो गया। ''इस प्रकार एशिया का मसालों के निर्यात में US Million $ के रूप में 5.4 गुना वृद्धि हुई।

यूरोप को औसत मसाले का निर्यात जो अध्ययन की प्रथम अवधि में (वर्ष 1999–2009) 122.6 US Million $ अमिट प्रतिवर्ष था वह अगली अवधि (वर्ष 2009–19) में 412.13 प्रतिवर्ष हो गया। ''इस प्रकार पहले दशक की तुलना में दूसरे दशक में लगभग 3.3 गुना की वृद्धि पायी गयी।''

इसी प्रकार भारत द्वारा अमेरिका को पहले दशक में 157.08 US Million $ के मसालों का निर्यात अमिट रूप में किया गया जो अगले दशक में बढ़कर 531.12 US Million $ हो गया। ''इस प्रकार अमेरिका को भी मसालों के निर्यात में 3.38 प्रतिशत की दशकीय वृद्धि हुई।''

अफ्रीका के देशों में जहाँ पहली अवधि मसालों का अंकित निर्यात 24.85 US Million $ था वहीं दूसरी अवधि में यह 118.47 US Million $ औसत रूप में पाया गया जो लगभग 5 गुने वृद्धि को दर्शाता है।

मसाले के निर्यात में परिवर्तन : प्रतिशत के रूप में–

सारणी –5

Year	World	Africa	America	Europe	Asia
1999-00	100	3.4	38.38	25.4	31.61
2000-01	100	3.88	28.1	23.56	43.51
2001-02	100	3.45	29.99	23.86	41.28
2002-03	100	3.38	28.67	25.58	40.44
2003-04	100	4.03	26.67	21.8	45.65
2004-05	100	3.78	25.69	21.31	47.51
2005-06	100	4.32	26.19	22.65	45.02
2006-07	100	3.35	23.92	19.99	51
2007-08	100	4.17	25.39	19.46	49.25
2008-09	100	5.83	26.16	18.67	47.9
2009-10	100	4.61	20.37	18.56	54.6
2010-11	100	5.05	20.18	19.22	54.14
2011-12	100	4.49	23.49	17.57	53.22
2012-13	100	4.76	21.69	17.06	55.32
2013-14	100	5.23	20.74	16.59	56.21
2014-15	100	5.23	21.69	16.42	55.26
2015-16	100	4.56	21.19	16.94	55.62
2016-17	100	4.25	20.02	15.83	58.32
2017-18	100	4.17	19.99	14.91	59.32
2018-19	100	4.6	19.68	12.5	61.67

स्रोत : CMI Out look .com से एकत्रित विभिन्न वर्षों के आंकड़े

सारणी संख्या 5 में विभिन्न महाद्वीपों को प्रतिशत के रूप में मसाले के निर्यात को दर्शाया गया है। सारणी के अनुसार वर्ष 1999–2000 में भारत के कुछ मसाला निर्यात में एशिया का हिस्सेदारी 31.6 प्रतिशत थी जो वर्ष 2009–10 में बढ़कर 54.6 प्रतिशत, वर्ष 2017–18 में 59.32 प्रतिशत तथा वर्ष 2018–19 में 61.6 प्रतिशत पायी गयी। जबकि यूरोप का भारत के कुल मसाला निर्यात में योगदान 1999–2000 में 25.4 प्रतिशत था। वह वर्ष 2009–10 में घटकर 18.56 प्रतिशत हो गया। जबकि 2017–18 में यह घटकर 14.9 प्रतिशत और वर्ष 2018–19 में 12.5 प्रतिशत पाया गया। यदि भारत में मसाला निर्यातों में अमेरिका में अंशदान का विश्लेषण करें तो वर्ष 1999–2000 में 38.3 प्रतिशत और वर्ष 2009–10 में 19.6 प्रतिशत रहा जो वर्ष 2017–2018 में 19.9 प्रतिशत और वर्ष 2018–2019 में 19.6 प्रतिशत पाया गया।

मसालें के निर्यात में दशकीय परिवर्तन : प्रतिशत रूप में

सारणी 6

Year	Asia	America	Europe	Africa
1999-2009	44.31	27.91	22.22	3.95
2009-2019	56.36	20.9	16.56	4.69

स्रोत :सारणी–5 के आधार पर आंकलित

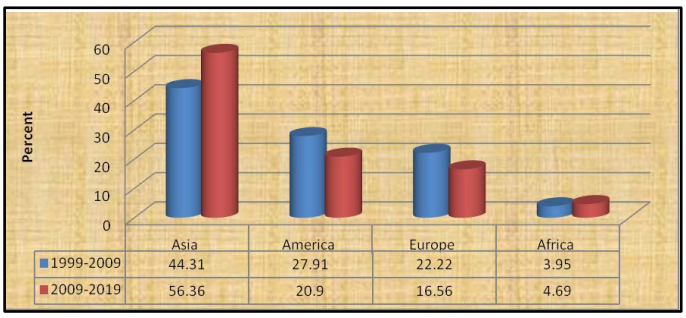

स्रोत :सारणी – 6 के आधार पर निर्मित

सारणी संख्या 6 में मसाले के निर्यात में प्रतिशत के रूप में दशकीय परिवर्तन को दर्शाया गया है। सारणी के अनुसार अध्ययन के प्रथम दशक (वर्ष 1999–2009) में एशिया को मसालों का औसत वार्षिक निर्यात 44.31 प्रतिशत था जो अगले दशक (वर्ष 2009–2019) में 56.36 प्रतिशत पाया गया जबकि इसी दौरान अमेरिका को मसाले का निर्यात जो पहली अवधि में 27.91 प्रतिशत से कम होकर 20.9 प्रतिशत हो गया तथा यूरोप को मसालों का निर्यात 22.22 प्रतिशत से कम होकर 16.56 प्रतिशत हो गया। जबकि अफ्रीकी देशों को 3.95 प्रतिशत से बढ़कर 4.69 प्रतिशत हो गया। ''इस प्रकार प्रतिशत के रूप में जहाँ एशिया व अफ्रीका के देशो को मसालें के निर्यात में दूसरे दशक में वृद्धि हुई वही अमेरिका एवं यूरोप को मसाले के निर्यातों में प्रतिशत के रूप में कमी पायी गयी।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

इस आधार पर कहा जा सकता है कि मसाले भारत के कृषिगत निर्यातों के महत्वपूर्ण अवयव के रूप में सम्मिलित किये जाते है। भारत द्वारा विश्व के सभी प्रमुख देशों को लगभग 75 प्रकार के मसालों का निर्यात किया जाता है। वर्ष 1999–2000 में भारत द्वारा 407.8 US Million $ के मसाले का निर्यात किया गया जो 2008–09 में बढ़कर 1380 US Million $ हो गया और 2018–19 में 3322 US Million $ पाया गया।

यदि मसाले के निर्यात में दशकीय वृद्धि का विश्लेषण करें तो अध्ययन के प्रथम दशक (1999–2009) में औसतन 580 US Million $ निर्यात किया गया वहीं दूसरे दशक (2009–2019) में लगभग 2539 US Million $ का निर्यात किया गया। इस प्रकार तुलनात्मक रूप में 4.37 गुना की वृद्धि पायी गयी।

यदि मसाले के निर्यात की दिशा के सन्दर्भ में आंकड़ों का विश्लेषण करें तो प्रथम अवधि (1999–2009) के दौरान एशियाई देशों को कुल मसालों का 44.31 प्रतिशत निर्यात किया गया जो अगले दशक (2009–2019) में बढ़कर 56.36 प्रतिशत हो गया। जबकि अमेरिका एवं यूरोप को मसाले के निर्यात में दशकीय रूप में कमी पायी गयी जबकि अफ्रीका के देशों के साथ मसाले के निर्यात में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. Mishra, S.K. and Puri, V.K. (2010- 2018) - 'Indian economy' Himalya Publication, New Delhi.
2. Dutta Treyalu 1996- Export potential of Agricultural Commodities New Economic Environment- Foreign Trade, 29(1)
3. Datt. Rudra and Sundaram, K.P.M. (2010- 2018) - 'Indian economy' S. Chand Publication, New Delhi.
4. भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2015&16] 2016&17] 2017&18] 2018&19
5. DHAR & RAI, 2008- Agricultural Export of India in the New Economic Environment - Deep & Deep Publication, 2010
6. इकनामिक एवं पॉलिटीकल विकली, नई दिल्ली – साप्ताहिक.
7. योजना जून 2014 अशोक गुलाटी, सुरभि जैन
8. कुरूक्षेत्र, नई दिल्ली – मासिक.
9. कृषिगत परिदृश्य, मुम्बई – अर्द्धवार्षिक.

RRIJM 2015, All Rights Reserved